ARNEWS TIMES.IN

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंस ने लिम्का बुक रिकार्ड में दर्ज कराया अपना नाम

By- AR News Times
June 13, 2020

लखनऊ। राजधानी का पहला इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज स्कूल आफ मैनेजमेंट सांइस (एसएमएस) लिम्का बुक रिकार्ड में दर्ज हुआ है। कॉलेज की ओर से वर्ष 2012 से लगातार वैश्विक तापमान (ग्लोबल-वार्मिंग) व जलवायु परिवर्तन पर जनमानस में चेतना जगाने का सघन कार्य चल रहा है । इसके अन्तर्गत प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के सभी 28 -जनपदों में प्रत्येक वर्ष माह अगस्त से दिसम्बर, जनवरी तक स्कूल कालेजो में पामफ्लेट वितरण, वीडियो व लेक्चर द्वारा विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों तथा अध्यापको को ग्लोबल-वार्मिंग से उत्पन्न समस्याओं व समाधान किया जा रहा है। उनमे से तीन

उत्कृष्ट स्कूल, कालेज के छात्र—छात्राओं को सम्मानित किया जाता है । इस प्रकार अभी तक लाखो जनमानस को जागृत कर पेड़-पौधे लगाने, बिजली की बचत हेतु एलइडी बल्ब का उपयोग करने, खेती में गोबर की खाद के उपयोग, सोलर लाईट व पम्प लगाने हेतु चेतना जगाई जा चुकी है। एसएमएस के सचिव शरद सिंह ने इस अभियान में लगे सभी अध्यापको, अधिकारियों व छात्र/छात्राओं को वधाई देते हुए कालेज में 7-8 लोगो के आयोजित एक समारोह में, जिसमे शासन के कोरोना के आदेशो का अनुपालन करते हुए, यह जानकारी दी कि "स्कूल ओफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ भारतवर्ष का पहला तकनीकी कालेज है जिसे मात्र चार-माह की अवधि में जिलों में स्थित शिक्षण संस्थानों के माध्यम से 45000 लोगो में ग्लोबल-वार्मिंग से उत्पन्न समस्याओं व निराकरण के अभियान के लिए 'लिम्का बुक रिकार्ड' में स्थान दिया गया है| इस कार्य के लिए कॉलेज कई वर्षो से विश्वस्तर पर कार्य कर रहा है और उनके निदेशक डा. भरत राज सिंह इस पर पुस्तक ग्लोबल-वार्मिंग- कारण, प्रभाव और उपचार- 2015 में प्रकाशित किया है। उन्होंने यह भी यह भी बताया कि यह एक सम्मान की बात है कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों के इतिहास में एसएमएस ही पहला ऐसा इंस्टिट्यूट बन गया है जिसे 'लिम्का बुक रिकार्ड' में तीसरी बार ऐसे सराहनीय कार्य हेतु सम्मलित किया गया है।

उक्त समारोह में, निदेशक-डा. मनोज महरोत्रा, महानिदेशक (तकनीकी) डा. भरत राज सिंह, मुख्यमहाप्रंधकडा. जगदीश सिंह, डा. धर्मेन्द्र सिंह, महाप्रबन्धक सुरेन्द्र श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष – डा. पी.के.सिंह, डा. हेमंत कुमार सिंह, डा. अमरजीत सिंह, अपर-महाप्रबन्धक-श्री प्रवीन सिंह आदि उपस्थित रहकर अभियान को विश्वव्यापी बनाने पर सहमति जतायी।